

एक द्वितीय विश्व-युद्ध के परिणाम लिये।

उत्तर-पश्चिम 6 वर्ष तक लड़ा गयी वाला द्वितीय विश्व युद्ध मान्य इतिहास का सबसे गंभीर एवं विनाशकारी युद्ध माना जाने लगता है। विश्व को प्रभावित किया इसके साथ ही इसके व्यापक थे कि विश्व-इतिहास में एक युद्ध का ही अन्त ही माना जाये। एक नये युद्ध का प्रारंभ हुआ, परन्तु इस दूसरे युद्ध में मान, विश्व अविश्वस्य एवं मान की स्थिति पूर्ववत् ही रही रही। संक्षेप में द्वितीय विश्व युद्ध के परिणामों को अग्रसर इंगित किया जा सकता है:-

① युद्ध के देशों की क्षति:- द्वितीय विश्व युद्ध में मान लिये गये देशों को गंभीर क्षति उठानी पड़ी थी। सर्वाधिक क्षति रूस को उठानी पड़ी। रूस को अलग-थलग के युद्ध में मारे गये रूसी सैनिकों की संख्या दो लाखों युद्ध में मारे गये अमेरिकियों के लगभग 4 लाख ही थी। इसका सबसे बड़ा कारण यह कि एशिया-पैसिफिक में 1941 ई तक युद्धी राष्ट्रों के विरोध में कोई क्षति नहीं थी। सोवियत आर्मी के प्रहार को रूसी सैनिकों को ही सहन पड़ा था। युद्ध में रूस को 1 लाख 28 करोड़ डॉलर की सम्पत्ति का नुकसान सहना पड़ा। इसके वीर्यपूर्ण से मान गहरे ही गये थे। लातवी, लात्विया, कालिनिन भी गये। प्रिटोन को भी महान क्षति का सामना करना पड़ा। 4 लाख 95 हजार लोग इस युद्ध में मारे गये। कुल मिलाकर 38% कम हो गया और औद्योगिक उत्पादन 30% कम गया। 1945 की जनसंख्या में 29% की कमी हुई। सभी प्रकार के लगभग विश्व के सभी देशों को नुकसान का उठाना पड़ा था।

② असीमित प्रभुत्व की समाप्ति:- द्वितीय विश्व युद्ध ने मिला दूसरे युद्ध को मान दिया। परन्तु असीमित प्रभुत्व की समाप्ति का युद्धों द्वितीय विश्व युद्ध ने असीमित राष्ट्रों को इसका इकट्ठा किया था, कि युद्ध से पूर्व विश्व को अनुशासन करने का होना करने वाला असीमित अर्थ व्यवस्था असीमित प्रभुत्व के रूप में सामने आ गया। युद्धोद्देशों ने अपना साम्राज्य छोड़ दिया। प्रिटोन, होलोकॉस्ट भी शक्तिहीन हो गये।

③ नये महाशक्तियों का उदय:- असीमित की प्रभुत्व का विश्व के राजनयिक संगठन पर क्षीण होने ही गये युद्ध में नये महाशक्तियों का उदय हुआ। संयुक्त राज्य अमेरिका एवं रूस में नये शक्तियों का उदय हुआ।

④ चीन युद्ध का प्रारंभ:- द्वितीय विश्व युद्ध में प्रिटोन, जॉर्ज एवं अमेरिका ने रूस के साथ मिलकर युद्धी राष्ट्रों का विशोध किया था। इसके द्वारा माना था कि युद्ध के बाद इस विश्वपूर्ण व्यवस्था से शांति की स्थापना होगी। किन्तु यह आशा उलटमान मिली। विश्व युद्ध के विश्व के संगठन पर असीमित संघ (संयुक्त राज्य अमेरिका) नये शक्तियों के रूप में उभर कर सामने आये। दोनों की विवाद पर एक दूसरे से लड़ागी। अतः दोनों विश्व के नये परस्पर शक्तिहीन दोनों न